भारत में सोवियत संघ महोत्सव का उद्घाटन 21 नवम्बर, 1987 को हुआ था और यह एक वर्ष तक चलेगा। भारत मे आयोजित सोवियत सघ महोत्सव में, दिल्ली, बम्बई, बंगलौर और कलकत्ता मे इसके लिये विशेष उद्घाटन समारोहों के अलावा, प्रदर्शन कलाये, प्रदर्शनिया, सेमिनार/सम्मेलन, सर्कस, विशिष्ट प्रकाशन कार्यक्रम आदि जैसे कार्यकलाप भी शामिल होगे।

(ग) भारत मे जापान माह पर लगभग 75 लाख रु० और भारत मे सोवियत सघ महोत्सव पर लगभग 25 करोड रुपये का खर्च होने की संभावना है।

गया के स्मारकों और पुरातत्व स्थलों का अनुरक्षण

3557. **श्रीमती सूर्यकांता जयवंतराव पाटील :** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गया स्मारकों के अनुरक्षण के संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) क्या बिहार सरकार ने गया के प्राचीन स्मारको, पुरातत्व स्थलों तथा अवशेषो के अनुरक्षण से संबंधित अधिसूचना प्रकाशित की थी ;

(ग) क्या पटना उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार इन पर्वतो के सम्पूर्ण क्षेत्र मे कही भी रोड़ी बनाने की मशीन नही लगाई जा सकेगी, चाहे अन्य क्षेत्रों से भी पत्थर क्यों न लाये जाये तथा उनके अनुरक्षण के लिये सशस्त्र आरक्षी बल तैनात किये जायेगे।

(घ) क्या यह सच है कि इन तथ्यो के बावजूद भी सरकार रामशिला पर्वत मे अवैध खनन और अवैध रूप से मशीनों के प्रयोग को रोकने मे विफल रही है ; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है तथा वर्तमान मे इसकी क्या स्थिति है और रामशिला पर्वत के इस आरक्षित क्षेत्र मे खनन कार्य मे इस्तेमाल होने वाले उपकरणो आदि को जब्त करने तथा ऐसे कृत्यो मे अन्तर्ग्रस्त व्यक्तियों को पकड़ने मे सरकार को क्या कठिनाइया पेश आ रही है, और यदि नही, तो ऐसे कदम कब तक उठाये जाने की संभावना है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय मे शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ङ) ये स्मारक केन्द्रीय सरक्षण के अधीन नही है। यह मामला राज्य सरकार से संबधित है।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही नर्सों की खान-पान व्यवस्था में अनियमितताएं

3558. **श्री रामनरेश कुशवाहा :**
श्री सूरज प्रसाद :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रही नर्सो के लिये भोजन बनाने हेतु सरकारी कर्मचारियो को खाना बनाने के लिये मजबूर किया जाता था और इस प्रकार हजारो रुपये का दुरविनियोग किया जाता था तथा घटिया किस्म का खाना दिया जाता था और यह कि चार महीने पहले इन छात्राओ द्वारा विरोध किये जाने पर खान-पान की व्यवस्था का ठेका दिया गया था, परन्तु अब वह ठेका समाप्त किया जा रहा है।

(ख) क्या यह भी सच है कि इन छात्राओ द्वारा विरोध किये जाने पर यह चिकित्सा अधीक्षक यह धमकी दे रहा है कि खान-पान संबंधी प्रभार